□□□ □□□□□

□□□ □त्रा□□

(□□□□, **योग व प्राकृतिक चिकित्सा**, □□□□, **सिद्ध एवं होम्यो□□**)

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न सं. 2716

06 □□□, 2020 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□□ □□ □□□ि□□ □□ि□□□

2716. **श्री □द्रा □□□ □ब□□:**

क्□ □□□□, □□□ □□ **प्राकृतिक** ि□ि□त□□, □□□□, ि□द्ध □□ □□म□□□□ (□□□) □त्री □□ □□□□□□ □□□ □□□ि□:

(□) क्□ □□□□ □□ि□□ परिदृश्य □□□□ □□ □□□□ □□ि□□□ □□ □□□□□ ि□ि□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □;

(□) ि□ □□□□ □त□□□□ ब□□□ क□□ □□□□ ि□ □□□□□ □□□□क□□ □□□□ □;

(□) क्□ □□□□ ि□ि□त□ □ध□□□ □□ प्र□□□ □□ □□न्द्रि□ आयुर्वादिक ि□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□

(□) ि□ □□□□ □त□□□□ ब□□□ क□□ □□□□ ि□ □□□□□ □□□□क□□ □□□□ □?

<u>□त□□</u>

<u>**□□□ □ज□ □त्री (स्□तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)**</u>

(□) □□ (□): □□ □□ आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुवद रुग्णता कोड (एनएएमसी) विकसित किए ह जो □□□□ □□□□-साथ मानकीकृत आयुवद शब्दावली म भी वर्णित रोगों का एक व्यापक वर्गीकरण है□ □न्□ □□ मंत्रालय द्वारा विकसित किए गए राष्ट्रीय आयुवद रुग्णता एवं मानकीकृत शब्दावली इलेक्ट्रॉनिक पोटल (नमस्ते पोटल) पर उपलब्ध कराया गया है जो जनता के लिए यूआरएल http://namstp.ayush.gov.in □□ □□□ब□ □□

(□): आयुवदीय नैदानिक एवं उपचार प्रोटोकॉल के मानकीकरण हेतु आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ केन्द्रीय आयुवदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआर□□□) □□□□, 2018 म आयुवद □□ नैदानिक उपायों के विश्वसनीयता परीक्षण और विधिमान्यकरण पर एक परियोजना □रू □ी □□ □□ ि□□□□□ □□□□□ □□□ सामान्य रोग दशाओं की पहचान की गई है और तदनुसार चुनिंदा रोग दशाओं के प्रपत्र एवं मैन्□□□ □ज्ञानि□□ उपायों द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रारूपित एवं विधिमान्यकृत किए जा रहे ह।

प्र□□ चरण म जिन रोग दशाओं की पहचान की □□ □,□□□- □ष□ (त□□ □□□), □□□, श□□ □□ ज्वर। कुष्ठ (त्वचा रोग) मैन्□अल का प्रथम प्रारूप □□ि□□ श्रृं□□-I के रूप में प्रकाशित किया जा चुका है और अन्य तीन रोग दशाओं के लिए इंटर-□□ ि□श□□□□□□ □□□□ी पूरा की जा चुका है और दूसरे चरण का □□□□ □□ राष्ट्रीय ख्याति प्र□ष□ शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से काय किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त अन्य विभिन्न रोग दशाओं के प्रपत्रों का विकास शुरू कर दिया गया है।

एकीकृत प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए विभिन्न □□ि□□ अध्ययन वैज्ञानिक ढंग से किए जा रहे ह। इन नैदानिक अध्ययनों का सारांश नैदानिक अनुसंधान की झलकियों के रूप म प्रकाशित किया जा चुका है जो परिषद की बेबसाइट www.ccras.nic.in □□ □□□ब□ □□

*****